Nai Dunia (Indore), 4th August 2022, Page 04

शोध में कदम बढ़ाएगा एसजीएसआइटीएस

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

प्रदेश का सबसे बड़ा श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआइटीएस) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट) से जुड़ने जा रहा है। संस्थान शोध कार्यों में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए काम कर रहा है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में संस्थान बेहतर स्थिति में आना चाहता है। देश के टाप 150 इंजीनियरिंग कालेजों में जगह बनाने का मकसद संस्थान ने बनाया है। चूंकि रैंकिंग के लिए शोध कार्य महत्वपूर्ण होता है इसलिए संस्थान आइआइटी इंदौर और आरआरकैट से कुछ समझौते करेगा। संस्थान के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि आइआइटी की ओर से मदद के आश्वासन मिल चुके हैं। संस्थान के पास विभिन्न आइआइटी से शिक्षा प्राप्त अनुभवी प्रोफेसर हैं। इन्हें अब शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आइआइटी की लैब और यहां के प्रोफेसर की सलाह भी अब संस्थान को मिल सकेगी। इस संबंध में जल्द ही समझौता होगा। इसी तरह आरआरकैट के साथ भी समझौता होगा, जिसके तहत दोनों संस्थानों के प्रोफेसर साथ में काम करेंगे।

हर प्रोफेसर के लिए शोध करना अनिवार्य किया जाएगा : प्रो. सक्सेना का कहना है कि प्रोफेसर का काम पढ़ाने के साथ ही शोध कार्य भी करना है। इसके लिए प्रोफेसर को प्रोत्साहित किया जाएगा। दो वर्ष में एक शोध कार्य अनिवार्य करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि संस्थान को गति मिल सके। आइआइटी में ज्यादातर प्रोफेसर पढ़ाने के साथ शोध कार्य भी कर रहे हैं।

एसजीएसआइटीएस। • फाइल फोटो

- आइआइटी और आरआरकैट से करेगा समझौता
- संस्थान में आइआइटी से शिक्षा प्राप्त अनुभवी प्रोफेसर सेवाएं दे रहे

इलेक्ट्रानिक्स और टेलीकम्युनिकेशन पर ज्यादा ध्यान

एसजीएसआइटीएस इलेक्ट्रानिक्स, टेलीकम्युनिकेशन और मैकेनिकल क्षेत्र में बेहतर कार्य करता रहा है। इसमें शोध के नए विषय तलाशे जा रहे हैं। आटोमोबाइल क्षेत्र में भी संस्थान काम करता रहा है। इसके लिए भी पीथमपुर और देवास के उद्योगों से बात कर साथ में जोड़ा जा रहा है। हर साल दो से तीन पेटेंट संस्थान को प्राप्त हो रहे हैं। इनकी संख्या चार से पांच करने का लक्ष्य बनाया गया है। आइआइटी इंदौर ने जिस तरह से आइआइएम इंदौर के साथ मिलकर डेटा साइंस के कोर्स शुरू किए हैं, उसी तरह एसजीएसआइटीएस भी नए संस्थानों का साथ लेकर कुछ नए विषयों में कोर्स शुरुआत करेगा।